

इस पुस्तिका में 16 मुद्रित पृष्ठ हैं।

This Booklet contains 16 printed pages.

# CEF-26-I

प्रश्न-पत्र—I / PAPER—I

बंगला भाषा परिशिष्ट

BENGALI LANGUAGE SUPPLEMENT

भाग IV & V / PART IV & V

Language Code

04

Main Test Booklet Code/  
मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड

U

Main Test Booklet No.  
मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ संख्या 16) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page No. 16) of this Test Booklet.

बंगला में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका के पृष्ठ संख्या 2 व 15 देखें। / For Instructions in Bengali, see Page Nos. 2 and 15 of this Booklet.

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग—IV (भाषा—I) या भाग—V (भाषा—II) बंगला भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन दोनों नहीं।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II या III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए केवल नीले/काले बॉलपॉइंट पेन का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का संकेत है U। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के पृष्ठ-2 एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में दो भाग IV और V हैं, जिनमें 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :  
भाग—IV : भाषा—I (बंगला) (प्रश्न सं० 91-120)  
भाग—V : भाषा—II (बंगला) (प्रश्न सं० 121-150)
7. भाग—IV में भाषा—I के लिए 30 प्रश्न और भाग—V में भाषा—II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बंगला भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। यदि भाषा—I और/या भाषा—II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बंगला के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन-पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।
8. परीक्षार्थी भाग—V (भाषा—II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा—I (भाग—IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

## INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This Booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer EITHER Part—IV (Language—I) OR Part—V (Language—II) in BENGALI language, but NOT BOTH.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II OR III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use Blue/Black Ballpoint Pen only for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is U. Make sure that the CODE printed on Side-2 of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has two Parts, IV and V, consisting of 60 Objective-type Questions and each carrying 1 mark :  
Part—IV: Language—I (Bengali) (Q. Nos. 91-120)  
Part—V : Language—II (Bengali) (Q. Nos. 121-150)
7. Part—IV contains 30 questions for Language—I and Part—V contains 30 questions for Language—II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali Language have been given. In case, the language(s) you have opted for as Language—I and/or Language—II is/are language(s) other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.
8. Candidates are required to attempt questions in Part—V (Language—II) in a language other than the one chosen as Language—I (Part—IV) from the list of languages.
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :

Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक (अंकों में)/Roll Number (in figures) :

(शब्दों में)/(in words) :

परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :

Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

Candidate's Signature :

Facsimile Signature Stamp of Centre Superintendent

निरीक्षक के हस्ताक्षर :

Invigilator's Signature :

যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা-পুস্তিকাটি খুলবেন না।

পরীক্ষা-পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠা 15 এবং 16) মুদ্রিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন।

**পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ:**

- যেসব পরীক্ষার্থী বাংলা ভাষায় ভাগ—IV (ভাষা—I) (Part—IV, Language—I) অথবা ভাগ—V (ভাষা—II) (Part—V, Language—II)-এর, কিন্তু দুটিরই নয়—উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ।
- পরীক্ষার্থীরা ভাগ—I, II, III-এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ—IV এবং ভাগ—V-এর উত্তর তাঁদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন।
- ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার ভাগ—IV এবং ভাগ—V-এ দেওয়া আছে। পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন।
- এই পৃষ্ঠার বিবরণগুলি লেখার জন্য এবং উত্তর-পত্রে উত্তর চিহ্নিতকরণের জন্য কেবলমাত্র কালো/নীল বলপয়েন্ট পেন ব্যবহার করতে হবে।
- বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **U**। এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর-পত্রের দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন। কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা-নিরীক্ষক (Invigilator)-এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাঁকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা-পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন।
- এই পরীক্ষা-পুস্তিকাটি IV এবং V এই দুই ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে 60 টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective-type Questions) বর্তমান। প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের :  
 ভাগ—IV : ভাষা—I (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা 91-120)  
 ভাগ—V : ভাষা—II (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা 121-150)
- ভাগ—IV-এ ভাষা—I-এর জন্য আছে 30 টি প্রশ্ন এবং ভাগ—V-এ ভাষা—II-এর জন্য আছে 30 টি প্রশ্ন। যদি ভাষা—I এবং/অথবা ভাষা—II-এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয়, তাহলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা-পুস্তিকা চেয়ে নিন। আপনি আপনার আবেদন-পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে।
- পরীক্ষার্থীদের ভাগ—V (ভাষা—II)-এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে যা তাঁদের ভাষা—I (ভাগ—IV)-এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা অর্থাৎ ভাষা—I (ভাগ—IV) এবং ভাগ—V (ভাষা—II)-এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না।
- পরীক্ষা-পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (Rough Work)-এর জন্য নির্দিষ্ট খালি জায়গার মধ্যেই Rough Work করতে হবে।
- সব উত্তর OMR উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে। উত্তর চিহ্নিতকরণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে।

পরীক্ষার্থীর নাম (স্পষ্টভাবে) : \_\_\_\_\_

ক্রমিক সংখ্যা (সংখ্যায়) : \_\_\_\_\_

(অক্ষরে) : \_\_\_\_\_

পরীক্ষাকেন্দ্র (স্পষ্টভাবে) : \_\_\_\_\_

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : \_\_\_\_\_ পরীক্ষা-নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : \_\_\_\_\_

Facsimile signature stamp of  
Centre Superintendent \_\_\_\_\_

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা-I হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা অবশ্যই ভাগ-IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)-এর উত্তর দেবেন।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q. Nos. 91-120)**, if they have opted **BENGALI** as **Language-I** only.

**PART—IV / খণ্ড—IV**  
**LANGUAGE—I / ভাষা—I**  
**Bengali / বাংলা**

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা-I হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা অবশ্যই ভাগ-IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)-এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ : নিম্নে প্রদত্ত কবিতাটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (91 থেকে 96 নং প্রশ্ন) সর্বাপেক্ষা সঠিক উত্তরটি নির্বাচন করুন :

সবাই দেখছে যে, রাজা উলঙ্গ, তবুও  
সবাই হাততালি দিচ্ছে।  
সবাই চোঁচিয়ে বলছে : শাবাশ, শাবাশ!  
কারও মনে সংস্কার, কারও ভয়;  
কেউ-বা নিজের বুদ্ধি অন্য মানুষের কাছে বন্ধক দিয়েছে;  
কেউ-বা পরান্নভোজী, কেউ  
কৃপাপ্রার্থী, উমেদার, প্রবঞ্চক;  
কেউ ভাবছে, রাজবস্ত্র সত্যিই অতীব সূক্ষ্ম, চোখে  
পড়ছে না যদিও, তবু আছে,  
অন্তত থাকটা কিছু অসম্ভব নয়।

গল্পটা সবাই জানে।  
কিন্তু সেই গল্পের ভিতরে  
শুধুই প্রশস্তিবাক্য-উচ্চারণ কিছু  
আপাদমস্তক ভিত্তি, ফন্দিবাজ অথবা নির্বোধ  
স্তাবক ছিল না।  
একটি শিশুও ছিল।  
সত্যবাদী, সরল, সাহসী একটি শিশু।

নেমেছে গল্পের রাজা বাস্তবের প্রকাশ্য রাস্তায়।  
আবার হাততালি উঠছে মুহূর্মুহু;  
জমে উঠছে  
স্তাবকবৃন্দের ভিড়।  
কিন্তু সেই শিশুটিকে আমি  
ভিড়ের ভিতরে আজ কোথাও দেখছি না।

শিশুটি কোথায় গেল? কেউ কি কোথাও তাকে কোনো  
পাহাড়ের গোপন গুহায়  
লুকিয়ে রেখেছে?  
নাকি সে পাথর-ঘাস-মাটি নিয়ে খেলতে খেলতে  
ঘুমিয়ে পড়েছে  
কোনো দূর  
নির্জন নদীর ধারে কিংবা কোনো প্রান্তরের গাছের ছায়ায়?  
যাও, তাকে যেমন করেই হোক  
খুঁজে আনো।  
সে এসে একবার এই উলঙ্গ রাজার সামনে  
নির্ভয়ে দাঁড়াক।  
সে এসে একবার এই হাততালির উর্ধ্বে গলা তুলে  
জিজ্ঞাসা করুক :  
রাজা, তোর কাপড় কোথায়?

91. “রাজা, তোর কাপড় কোথায়?” এই প্রশ্ন বুদ্ধিজীবী সমাজের থেকে উচ্চারিত হয় না কেন ?  
 (1) তারা সমাজসচেতন বলে (2) তারা সংস্কারী বলে  
 (3) তারা প্রতিবাদী বলে (4) তারা সুযোগসম্মানী বলে
92. কবিতাটিতে মূলতঃ কোন্ অলঙ্কারের প্রয়োগ করা হয়েছে ?  
 (1) রূপক (2) সমাসোক্তি (3) অনুপ্রাস (4) উপমা
93. “নেমেছে গল্পের রাজা বাস্তবের প্রকাশ্য রাস্তায়।” এটিকে সঠিক গদ্যরীতি অনুযায়ী লিখলে সঠিক রূপটি হবে  
 (1) বাস্তবের রাজা নেমেছে গল্পের প্রকাশ্য রাস্তায় (2) গল্পের রাজা বাস্তবের প্রকাশ্য রাস্তায় নেমেছে  
 (3) গল্পের রাজা বাস্তবের নেমেছে প্রকাশ্য রাস্তায় (4) রাজা নেমেছে বাস্তবের গল্পের প্রকাশ্য রাস্তায়
94. কবিতাটির মূল বিষয়বস্তু কী ?  
 (1) রাজার পোশাকের রুচিহীনতার বিরুদ্ধে প্রতিবাদ (2) জনগণের স্পষ্টবাদী স্বভাবের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ  
 (3) জনগণের বিপ্লবের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ (4) জনগণের নীরবতার বিরুদ্ধে প্রতিবাদ
95. এখানে “উলঙ্গ” বলতে বোঝানো হয়েছে  
 (1) নিষ্কলঙ্ক (2) নির্লজ্জ (3) নিষ্ঠুর (4) নিষ্পাপ
96. কবি এখানে সমাজের কোন্ দিকটি তুলে ধরেছেন ?  
 (A) শাসকশ্রেণীর ভণ্ডামির বিরুদ্ধে জনগণের প্রতিবাদের দিক।  
 (B) শাসকশ্রেণীর ভণ্ডামি উপেক্ষা করে জনগণের স্তাবকতার দিক।  
 (C) শাসকশ্রেণীর নিষ্ঠুরতার সমর্থনে শিশুর স্তাবকতার দিক।  
 (D) শাসকশ্রেণীর নির্লজ্জতা ও শোষণ উপেক্ষা করে জনগণের নীরবতার দিক।  
 সঠিক বিকল্পটি নির্বাচন করুন।  
 (1) (C) এবং (A) (2) (B) এবং (C) (3) (A) এবং (D) (4) (B) এবং (D)
97. কোনো বিশদ বিবরণ যুক্ত না করে সংক্ষিপ্তভাবে লিখনের যোগ্যতা যার দ্বারা স্পষ্ট ও যথাযথ বর্ণনাকে উপেক্ষা করা যায় তাকে বলা হয়  
 (1) নোট নেওয়া (2) নোট প্রস্তুত করা (3) সংক্ষেপীকরণ (4) পদ্ধতি লিখন
98. স্বরগত প্রকাশভঙ্গী কীসের দ্বারা সঠিকভাবে বিচার করা যায় ?  
 (1) স্বরের আবেগ (2) কণ্ঠগত চিন্তাধারা অভিব্যক্তি  
 (3) স্বরের গতি (4) শব্দ নির্বাচন
99. একটি ক্লাসরুমের বসার ব্যবস্থা শিথিল হওয়া উচিত। কারণ—  
 (1) এটি শিশুদের যেখানে খুশি এবং যখন খুশি তাদের বসার জায়গা পরিবর্তনের স্বাধীনতা দেবে  
 (2) এটি শিক্ষককে তাঁর ক্লাসরুমে সাম্যতা আনতে সাহায্য করবে  
 (3) এটি শিশুদের একটি নির্দিষ্ট দলে বন্ধুত্ব রাখা থেকে প্রতিরোধ করবে  
 (4) এটি খুব সহজে বিভিন্ন দলের সঙ্গে সংযোগসাধন যুগ্মভাবে এবং সামগ্রিক শ্রেণীকার্যের সঙ্গে সংযুক্ত হতে সাহায্য করবে
100. প্রাথমিক স্তরে পঠন দক্ষতা মূল্যায়নের জন্য কোন্ বিষয়ে জোর দেওয়া সর্বাধিক গুরুত্বপূর্ণ ?  
 (1) সাবলীল পাঠ (2) বুঝে পড়া  
 (3) ব্যঞ্জনবর্ণের অক্ষর চিহ্নিত করতে পারা (4) বিরামচিহ্নের ব্যবহার
101. সক্রিয় সংযোগসাধন নিশ্চিত করার জন্য প্রয়োজন  
 (1) তোমার মনে যা আসবে তা বলতে থাকা  
 (2) অপরের কথা আগে শোনা  
 (3) একটি নির্দিষ্ট সময়ের ব্যবধানে অপরের সঙ্গে সংযোগসাধন বজায় রাখা  
 (4) চলাফেরা এবং ভাবের আদান-প্রদান বজায় রাখা

- 102.** ইংরেজী ব্যাকরণ শিক্ষণের মূল উদ্দেশ্য হলো  
 (1) নিয়মাবলী মুখস্থ করার যোগ্যতার বৃদ্ধিকরণ  
 (2) পাঠে উৎসাহের বিকাশসাধন  
 (3) আমাদের ধারণার মৌলিকতা বৃদ্ধিকরণ  
 (4) বক্তব্যে এবং লিখনে যৌক্তিকভাবে এবং সঠিকভাবে ধারণা প্রকাশমূলক যোগ্যতার বিকাশসাধন
- 103.** প্রাথমিক স্তরে ছাত্র-ছাত্রীদের মধ্যে লিখন দক্ষতা বিকাশের ক্ষেত্রে একজন শিক্ষকের কোন্ বিষয়ে লেখার জন্য ছাত্র-ছাত্রীদের উৎসাহিত করা উচিত ?  
 (1) ব্যক্তিগত জীবন (2) সামাজিক সমস্যা (3) জাতীয় বিষয় (4) ধার্মিক বিশ্বাস
- 104.** আপনি আপনার ক্লাসের শিক্ষার্থীদের ব্যক্তিগত পার্থক্যগুলিকে চিহ্নিত করতে চান। এই উদ্দেশ্যে নীচের কোনটি আপনি ব্যবহার করবেন ?  
 (1) সামগ্রিক মূল্যায়ন (Summative assessment) (2) গঠনগত মূল্যায়ন (Formative assessment)  
 (3) সহপাঠী মূল্যায়ন (Peer assessment) (4) নির্ণয়মূলক মূল্যায়ন (Diagnostic assessment)
- 105.** চম্ফীর প্রস্তাব অনুযায়ী ভাষা অর্জনে একটি অন্তর্নিহিত দক্ষতা হলো বিশিষ্ট মানবসংক্রান্ত জৈবিক উত্তরাধিকার সূত্রে প্রাপ্ত বৈশিষ্ট্য। এই উত্তরাধিকার কী নামে পরিচিত ?  
 (1) ভাষা গ্রহণ ইচ্ছা (Language acceptance desire)  
 (2) ভাষা অর্জন সাধন (Language acquisition device)  
 (3) ভাষা অভিযোজন পর্যায় (Language adaptation degree)  
 (4) ভাষা অর্জন জ্ঞান (Language acquire domain)
- 106.** একটি ভাষার ক্ষুদ্রতম অর্থবহ ধ্বনির এককের জন্য ব্যবহৃত পরিভাষাটি হলো  
 (1) রূপমূল (Morpheme) (2) বাক্যগঠন সংক্রান্ত ব্যাকরণের নিয়মাবলী (Syntax)  
 (3) শব্দার্থতত্ত্ব (Semantics) (4) ধ্বনিমূল (Phoneme)
- 107.** 2 থেকে 3 মাস বয়সী শিশুরা মুক্ত স্বরধ্বনি উচ্চারণ করতে সমর্থ হয়। এই ধ্বনিগুলি কীসের উদাহরণ ?  
 (1) জোরে কথা বলা (Shouting) (2) একক-শব্দ উচ্চারণ (One-word utterances)  
 (3) নীচু গলায় কথা বলা (Cooing) (4) তাড়াহুড়ো করে কথা বলা (Babbling)
- 108.** অক্ষিতা ছটি বিভিন্ন ভাষা বুঝতে এবং বলতে পারে। তার ভাষা যোগ্যতা তাকে বানিয়েছে একজন  
 (1) বহুভাষী বক্তা (2) দ্বি-ভাষী বক্তা (3) এক-ভাষিক বক্তা (4) ভাষাতত্ত্ববিদ
- 109.** তুমি কোড-মিক্সিং, কোড-সুইচিং, শিশুদের ভাষা এবং গুপ্ত ভাষা-বিষয়ক অধ্যয়নে উৎসাহী।  
 নীচের কোন্ শাখাটি এই ধরনের বিষয় অধ্যয়নের জন্য তোমার প্রয়োজন ?  
 (1) সমাজবিদ্যা (2) সামাজিক ভাষাতত্ত্ব (3) সাংস্কৃতিক মনোবিদ্যা (4) নৃতত্ত্ববিদ্যা
- 110.** কোন্ ক্ষেত্রটি বৈসাদৃশ্যগত তুলনামূলক বিশ্লেষণের অংশ নয় ?  
 (1) আভিধানিক (2) ধ্বনিতাত্ত্বিক (3) বাক্যরীতিগত (4) শব্দার্থতাত্ত্বিক
- 111.** আপনি দেখলেন যে আপনার ইংরেজী ভাষা শিক্ষক ক্লাসে স্বচ্ছন্দে মাতৃভাষা ব্যবহার করছেন। তিনি কোন্ পদ্ধতি ব্যবহার করছেন ?  
 (1) সংগঠিত মৌখিক পরিবেশ (2) প্রত্যক্ষ (3) শোনা-বলা (4) ব্যাকরণ-অনুবাদ

**নির্দেশ :** নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (112 থেকে 120 নং প্রশ্ন) সর্বাপেক্ষা সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন :

বাগবাজার-শ্যামবাজার-কুমারটুলি-আহিরীটোলা তো দূরের কথা, সারা উত্তর কলকাতার মানুষ অঘোর সরকারের নাম শুনলেই বলবে, উনি যেমন ভাল মানুষ ছিলেন, সেইরকমই ভাল উকিল ছিলেন। দূর-দূরান্তরের মক্কেলরা শ্যামবাজার পাঁচ মাথার মোড়ে পৌঁছে ওঁর বাড়ির হদিস জিজ্ঞেস করলেই জবাব পেতেন, বলরাম মন্দিরের গলিতেই ওঁর বাড়ি। বাড়ির দরজায় ইংরেজি-বাংলায় ওঁর নাম লেখা আছে। যাঁরা রাজবল্লভপাড়া দিয়ে ঢুকতেন, তাঁরা বিশাল দণ্ডবাড়ির গোরাবাবুকে জিজ্ঞেস করলেই উনি বলতেন, এই তো কোণার বাড়িটা।

অঘোর সরকার এখন আর বেঁচে নেই। বছর দশেক আগেই উনি মারা গিয়েছেন। তবে ওঁর স্ত্রী পাঁচশি বছরের কুসুমকুমারী দেবী বেঁচে আছেন। ওঁদের ছোট মেয়ে পারুল থাকে ভবানীপুরে। অন্য দু'জন বাইরে। বড় ছেলে নগেন সেন্ট্রাল গভর্নমেন্টের অফিসার। তিনি কর্মজীবনের শুরু থেকেই দিল্লীতে। তবে প্রত্যেক বছর কলকাতায় আসেন। এখানে থাকেন শুধু ছোট ছেলে নৃপেন।

এই তিনতলা বাড়িতে এখন শুধু কুসুমকুমারী দেবী ছাড়া নৃপেনবাবু তাঁর স্ত্রী ও দুই ছেলেমেয়েকে নিয়ে থাকেন। আর আছে তিনজন কাজের লোক। রাধুণী মনোরমা এ বাড়িতে তিরিশ-বত্রিশ বছর আছে। যে লক্ষ্মীর মা বৃদ্ধা কুসুমকুমারীকে দেখাশুনা করে, সে চৌত্রিশ-পঁয়ত্রিশ বছর আছে। তৃতীয়জন হারাধন আছে বছর দশেক।

হারাধনের বাবা ক্ষেত্র মাত্র ষোল বছর বয়সে উকিলবাবুর কাজে লাগে কিন্তু এমন বোকা ছিল যে উঠতে-বসতে বকুনি খেত। সেই ক্ষেত্র কালে কালে অঘোর সরকারের দক্ষিণ হস্ত হয়ে যায়। কথায় কথায় সে মুহুরি বা টাইপবাবুর ভুল ধরতো, আঃ! কী করছেন? এটা পঞ্চাশ টাকার স্ট্যাম্প পেপারে হবে। আলিপুর কোর্টের কত উকিল ওকে বলতেন, ক্ষেত্র, তুমি স্যারকে একটু বুঝিয়ে এই মামলাটা নিতে রাজী করাও। উনি সাহায্য না করলে আমরা নির্ঘাৎ হেরে যাব। ক্ষেত্র দেশে গেলে অঘোর সরকার চোখে অন্ধকার দেখতেন।

এই উকিলবাবুর কাজ করতে করতেই ক্ষেত্র গ্রামের বাড়িতে পাকা ঘরদোর বানিয়েছে, বিয়ে করেছে, তিনটে মেয়ের বিয়ে দিয়েছে, ছেলেটাকে আট ক্লাস পর্যন্ত পড়িয়েছে। তারপর দুটো চোখই বড্ড বেশি খারাপ হওয়ায় কাজকর্ম করাই মুশকিল হলো। অঘোর সরকারও বার্ষিকের জন্য কাজকর্ম বেশ কমিয়ে দেওয়ায় ক্ষেত্র ছেলেকে উকিলবাবুর কাছে রেখে দেশে চলে গেল। মাস তিনেক পরই বৃদ্ধ প্রবীণ উকিল হৃদরোগে হঠাৎ মারা গেলেন। হারাধনকে নৃপেনবাবু এখানেই রেখে দিলেন।

নৃপেনবাবু ব্যাক্সের ম্যানেজার। নিউ আলিপুর ব্রাঞ্চে বেশ ক'বছর কাটাবার পর বদলি হয়েছেন গড়িয়াহাট ব্রাঞ্চে। লকারের একটা চাবি ওঁর কাছে থাকে। অন্য চাবিটা থাকে অ্যাকাউন্টেন্টের কাছে। এঁরা দু'জনে না গেলে ব্যাক্সের কাজকর্মই শুরু হতে পারে না। দু'জনকেই পৌছতে হয় পৌনে দশটার মধ্যে। তাই তো সাড়ে আটটার মধ্যেই খেয়েদেয়ে নৃপেনবাবুকে বেরুতে হয়। ওঁর স্ত্রী মাধুরী বেহালার একটা স্কুলের শিক্ষয়িত্রী। ন'টা বাজতে বাজতেই উনিও বেরিয়ে যান। দু'জনেই ফেরেন সন্ধ্যার আগে-পরে।

ওঁদের দুটি ছেলেমেয়ে। মন্ডা বড়, মৃণাল ছোট। মন্ডা সামনের বছরই হায়ার সেকেন্ডারী দেবে। স্কুল আর কোচিং নিয়েই যে সকাল থেকে রাত ন'টা-সাড়ে ন'টা পর্যন্ত ব্যস্ত। এই পরিবারের একমাত্র দুঃখের কারণ মৃণাল। সে বোবা। এবং কালা। ডেফ অ্যান্ড ডাম্ব স্কুলে যায় কিন্তু লেখাপড়ায় বিশেষ ভাল না। তবে খুব ভাল ছবি আঁকতে পারে। যখনই সময় পায়, তখনই ছবি আঁকে। বছর দুয়েক আগে আকাদেমীতে যে মূক ও বধিরদের ছবির প্রদর্শনী হলো, তাতে যোগদান করে মৃণাল শুধু রাজ্যপালের বিশেষ পদক পায়নি, ওর তিনটে ছবিই তাজ বেঙ্গল হোটেল পনের হাজার টাকায় কিনে নিয়েছে।

112. 'রাজ্যপাল' কোন্ সমাস?

- (1) অপাদান তৎপুরুষ (2) সম্বন্ধ তৎপুরুষ (3) কর্ম তৎপুরুষ (4) করণ তৎপুরুষ

113. "যখনই সময় পায়, তখনই ছবি আঁকে।" এটি কোন্ শ্রেণীর বাক্য?

- (1) সরল (2) মিশ্র (3) যৌগিক (4) জটিল

114. 'দূরান্তর' পদটিতে সন্ধির কোন্ সূত্রের প্রয়োগ হয়েছে?

- (1) আ + অ = আ (2) আ + আ = আ (3) অ + অ = আ (4) অ + আ = আ

115. "অঘোর সরকারও বার্ষিকের জন্য কাজকর্ম বেশ কমিয়ে দেওয়ায় ক্ষেত্র ছেলেকে উকিলবাবুর কাছে রেখে দেশে চলে গেল।"

বাক্যটির সাধুভাষার সঠিক রূপ কোনটি?

- (1) অঘোর সরকারও বার্ষিকের জন্য কাজকর্ম বেশ কমাইয়া দেওয়ায় ক্ষেত্র ছেলেকে উকিলবাবুর নিকটে রেখে দেশে চলিয়া গেল।  
(2) অঘোর সরকারও বার্ষিকের জন্য কাজকর্ম বেশ কমাইয়া দেওয়ায় ক্ষেত্র ছেলেকে উকিলবাবুর নিকটে রাখিয়া দেশে চলে গেল।  
(3) অঘোর সরকারও বার্ষিকের জন্য কাজকর্ম বেশ কমিয়ে দেওয়ায় ক্ষেত্র ছেলেকে উকিলবাবুর কাছে রাখিয়া দেশে চলিয়া গেল।  
(4) অঘোর সরকারও বার্ষিকের জন্য কাজকর্ম বেশ কমাইয়া দেওয়ায় ক্ষেত্র ছেলেকে উকিলবাবুর নিকটে রাখিয়া দেশে চলিয়া গেল।

116. অঘোরবাবুকে দিয়ে কোনো কাজ করাতে হলে লোকেদের কার শরণাপন্ন হতে হতো?

- (1) ক্ষেত্র (2) নৃপেনবাবু (3) কুসুমকুমারী (4) হারাধন

117. এই পরিবারের দুঃখের প্রধান কারণ কী?

- (1) নৃপেনের পুত্র সন্তানটির বাচন ও শ্রবণ ক্ষমতা না থাকা (2) ক্ষেত্রের চাকরি ছেড়ে দেশে ফিরে যাওয়া  
(3) অঘোরবাবুর মৃত্যু (4) ক্ষেত্রের দুটি চোখের দৃষ্টিশক্তি দুর্বল হয়ে পড়া

118. নৃপেন সরকার কোথায় থাকতেন?

- (1) বিদেশে (2) কলকাতার শ্যামবাজারে (3) দিল্লীতে (4) কলকাতার ভবানীপুরে

119. প্রদত্ত বিবৃতিগুলি পড়ুন।

- (A) মন্ডার পিতা নৃপেন সরকার। (B) মাধুরীর পিতা ক্ষেত্র।  
(C) পারুল কুসুমকুমারীর কন্যা। (D) হারাধন অঘোর সরকারের পুত্র।

প্রদত্ত বিকল্পগুলিতে কোন্ দুটি বিবৃতি সত্য?

- (1) (A) এবং (C) (2) (B) এবং (D) (3) (A) এবং (D) (4) (B) এবং (C)

120. অঘোর সরকারের মৃত্যুর পর ঐ বাড়িতে কুসুমকুমারীসহ মোট কতজন সদস্য ছিল?

- (1) ছয় (2) পাঁচ (3) আট (4) সাত

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা-II হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা অবশ্যই ভাগ-V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)-এর উত্তর দেবেন।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q. Nos. 121-150)**, if they have opted **BENGALI** as **Language-II** only.

**PART—V / খণ্ড—V**  
**LANGUAGE—II / ভাষা—II**  
**Bengali / বাংলা**

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা-II হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা অবশ্যই ভাগ-V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)-এর উত্তর দেবেন।

**নির্দেশ :** নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (121 থেকে 127 নং প্রশ্ন) সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন :

পশ্চিমবঙ্গের লোকসংস্কৃতির বিভিন্ন ধারার প্রশাখাগত বিভাজন করতে গিয়ে প্রাবন্ধিক দেখিয়েছেন যে পশ্চিমবঙ্গের কোন কোন অঞ্চলে ‘নাটক’ ধারাটির কোন কোন প্রশাখা বিদ্যমান। এই বিভাজন অনুযায়ী উত্তর এবং দক্ষিণ চব্বিশ পরগনায় প্রচলিত রয়েছে বনবিবির পালা, পুরুলিয়ায় রয়েছে নাটুয়া, মেদিনীপুর এবং বর্ধমানে রয়েছে পুতুল নাচ, দিনাজপুরে রয়েছে খন, মালদায় ডোমনি এবং মুর্শিদাবাদ-মালদা-বীরভূম মিলিয়ে রয়েছে আলকাপ-পঞ্চরস।

মূলত মুর্শিদাবাদ জেলায় হলেও মালদা ও বীরভূমের কিছু অংশেও ‘আলকাপ’ বা ‘পঞ্চরস’ নামের এই লোকনাট্যশৈলী প্রচলিত। এই প্রাচীন লোকনাট্যের উৎপত্তির সময় বঙ্গভঙ্গ ও পরবর্তী রাজ্য বিভাজন হয়নি, তাই ভৌগোলিকভাবে কাছাকাছি থাকা বর্তমান বাংলাদেশের রাজশাহী জেলায় এবং পশ্চিমবঙ্গের প্রতিবেশী রাজ্য বিহারের পূর্ণিয়া জেলাসহ ঝাড়খণ্ডের দুমকা জেলাতেও এর প্রচলন রয়েছে। মূলত মুসলমান সম্প্রদায়ের লোকসংগীত হিসাবে পরিচিত এই নাট্যশৈলী পালাগানের একটি শাখা। বছর পঞ্চাশ আগেও এই আলকাপ-পঞ্চরস নাট্য অভিনয়ের সমান মর্যাদা পেত পূর্বোক্ত অঞ্চলগুলিতে। প্রসঙ্গত উল্লেখ্য, বাংলা সাহিত্যের অন্যতম বলিষ্ঠ লেখক সৈয়দ মুস্তাফা সিরাজের গল্প, উপন্যাসে আলকাপের প্রভূত উল্লেখ পাওয়া যায়। তিনি স্বয়ং আলকাপ গোষ্ঠীর অন্তর্ভুক্ত হয়ে পালাগানে অংশগ্রহণ করেছেন। সেই প্রত্যক্ষ অভিজ্ঞতা কাহিনী রূপ পেয়েছে তাঁর ‘মায়ামৃদঙ্গ’ উপন্যাসে। সেখানে তিনি দেখিয়েছেন, এই লোকনাট্যের কলাকুশলীরা কতটা যত্ন ও আগ্রহ নিয়ে অভিনয়টাকে নিজেদের প্যাশন করে তুলছেন; জীবনের অনেক কঠিন পরিস্থিতির মধ্যেও। সাধারণ নাট্যাভিনয়ের সঙ্গে আলকাপের অনেক পার্থক্য রয়েছে। তার মধ্যে অন্যতম হল—আলকাপের কোনো লিখিত স্ক্রিপ্ট থাকে না; কলাকুশলী, অর্থাৎ যারা অভিনয় করবেন, তাঁরা প্রথমে সকলে একসঙ্গে বসে নিয়ে কাহিনীটি শুনে নেন। পরে সেটি নিজের মনে মনেই জারিত করে মধ্যে উঠে অভিনয়ের মাধ্যমে পরিবেশন করেন। আপাতভাবে মনে হতে পারে, বিষয়টির মধ্যে পেশাদারিত্বের অভাব রয়েছে। কারণ পূর্বলিখিত স্ক্রিপ্ট ও তদনুযায়ী রিহাসাল ছাড়া অভিনয়ের পারফেকশনে পৌঁছতে পারে না ইত্যাদি। কিন্তু অন্য দিক থেকে দেখলে দেখা যায়, এই তথাকথিত স্ক্রিপ্টবিহীন নাট্য আঙ্গিকে কলাকুশলীরা পরস্পরের সঙ্গে মুখস্থ সংলাপ অভ্যাসের মাধ্যমে অভিনয় করেন না, বরং পরস্পরের ভাবনাবিশ্বের নিয়মিত খবর রাখতে হয় তাঁদের; যাতে করে মধ্যে দর্শক-শ্রোতাদের সামনে অভিনয়ের সাবলীলতা অক্ষুণ্ণ থাকে। একজনের সংলাপ অন্যজনকে মনোযোগ সহকারে শুনে ও বুঝে নাটকের বিষয় ও প্রবাহ অনুযায়ী সংলাপ তৎক্ষণাৎ সৃজন করতে হয়। তাই কাজটিকে কোনমতেই অপেশাদার বলা যাবে না; উপরন্তু কাজটির মধ্যে গূঢ় অনুশীলন রয়েছে বলেই আমরা মনে করি। আরেকটি ব্যাপার, এই পূর্বলিখিত স্ক্রিপ্ট না থাকার কারণে চরিত্রগুলি নির্দিষ্ট হয় না; ফলত অকস্মাৎ কোনো অভিনেতা/অভিনেত্রী অনুপস্থিত বা অসুস্থ হলে অন্যরা অসুবিধায় পড়েন না; অভিনয় চালিয়ে যেতেও বিশেষ কোনো বাধা আসে না।

আলকাপের আসরসজ্জা উনিশ শতকের পালাগানের মতোই, অর্থাৎ মঞ্চ থাকে মাঝখানে। চতুর্দিকে দর্শক-শ্রোতারা ঘিরে বসেন। সাধারণত শীতের সময় বাগানের মধ্যে আলকাপের আয়োজন করা হয়ে থাকে। এছাড়া ছুটি পূজার পরে বা ছুটি উপলক্ষে মেলা আয়োজিত হলে আলকাপ-পঞ্চরসের আসর বসে। পূজা প্যাণ্ডেলের পাশেই অভিনীত হয়। আলকাপে এখনো দেখা যায় আসরবন্দনার ঐতিহ্য। অভিনয়ের শুরুতে একই গান দ্বারা সমস্ত দেবদেবীর আরাধনা করা হয়। প্রণাম জানিয়ে প্রার্থনা করা হয় ‘কণ্ঠে এসে বসার’ জন্য। মঞ্চের একদিকে ঢোল, করতাল, বাঁশি, হারমোনিয়াম, খঞ্জনিসহ বাদ্যযন্ত্রীরা বসে থাকেন। সময়ের সঙ্গে সঙ্গে এই বাজনাতেও আধুনিকীকরণ হয়েছে।

**121.** আলকাপে একটি বিশেষ সুবিধার দিক রয়েছে। সেটি কী ?

- (1) কোনো কলাকুশলীরা যদি অসুস্থ হন তবে তার জায়গায় যে কোনো অভিনেতাকে উপস্থিত করা যায়।
- (2) তাৎক্ষণিক সংলাপ বলার জন্য গূঢ় অনুশীলনের প্রয়োজন।
- (3) স্ক্রিপ্ট না থাকায় সংলাপ যেভাবে খুশি বলা যায়।
- (4) আলকাপে রিহাসাল না দেওয়ায় অভিনেতারা অভিনয়ের পারফেকশনে পৌঁছতে পারেন না।

**122.** ‘তদনুযায়ী’ কোন পদ ?

- (1) বিশেষণ
- (2) সর্বনাম
- (3) বিশেষ্য
- (4) অব্যয়

123. “পূর্বলিখিত স্ক্রিপ্ট না থাকার কারণে চরিত্রগুলি নির্দিষ্ট হয় না”—বাক্যটিকে অস্বার্থক নির্দেশক বাক্যে লিখলে সঠিক রূপ কোনটি হবে ?

- (1) পূর্বলিখিত স্ক্রিপ্ট থাকার কারণে চরিত্রগুলি নির্দিষ্ট হয়।
- (2) পূর্বলিখিত স্ক্রিপ্ট থাকার কারণে চরিত্রগুলি অনির্দিষ্ট হয়।
- (3) পূর্বলিখিত স্ক্রিপ্ট না থাকার কারণে চরিত্রগুলি নির্দিষ্ট হয়।
- (4) পূর্বলিখিত স্ক্রিপ্ট না থাকার কারণে চরিত্রগুলি অনির্দিষ্ট হয়।

124. ‘সৃজন’ শব্দটির সমার্থক শব্দ কোনটি নয় ?

- (1) রচনা
- (2) সৃষ্ণী
- (3) উদ্ভাবন
- (4) নির্মাণ

125. নিম্নে প্রদত্ত তালিকাটি মেলান :

| ক-তালিকা<br>(স্থানের নাম) | খ-তালিকা<br>(লোকসংস্কৃতি) |
|---------------------------|---------------------------|
| A. বর্ধমান                | (i) নাটুয়া               |
| B. মালদা                  | (ii) বনবিবির পালা         |
| C. পুরুলিয়া              | (iii) ডোমনি               |
| D. দক্ষিণ চব্বিশ পরগনা    | (iv) পুতুল নাচ            |

প্রদত্ত বিকল্পগুলি থেকে সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন :

- (1) A-(i), B-(iii), C-(ii), D-(iv)
- (2) A-(iii), B-(i), C-(iv), D-(ii)
- (3) A-(ii), B-(iv), C-(iii), D-(i)
- (4) A-(iv), B-(iii), C-(i), D-(ii)

126. নিম্নে প্রদত্ত বিবৃতি দুটি পড়ুন :

বিবৃতি (ক) : ‘আলকাপ’ লোকনাট্যশৈলী মুর্শিদাবাদ-মালদা-বীরভূম অতিরিক্ত সীমান্তবর্তী বাংলাদেশ এবং পার্শ্ববর্তী রাজ্য বিহারের কোনো কোনো জেলায় দেখা যায়।

বিবৃতি (খ) : ‘আলকাপ’ মুসলমান সম্প্রদায়ের লোকসঙ্গীত হিসেবে পরিচিত হলেও এটি পালাগান নাট্যশৈলীর সমন্বয়াদা পেত।

প্রদত্ত বিকল্পগুলি থেকে সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন :

- (1) বিবৃতি (ক) এবং (খ) দুটোই ঠিক
- (2) বিবৃতি (ক) এবং (খ) দুটোই ভুল
- (3) বিবৃতি (ক) ঠিক; কিন্তু (খ) ভুল
- (4) বিবৃতি (ক) ভুল; কিন্তু (খ) ঠিক

127. নিম্নে প্রদত্ত আলকাপ পরিবেশনের পর্যায়গুলির সঠিক ক্রম কোনটি ?

- A. একজন অপরজনের সংলাপ মনোযোগ দিয়ে শোনেন।
- B. তৎক্ষণাৎ বিষয় ও প্রবাহ অনুযায়ী সংলাপ সৃজন করেন।
- C. কলাকুশলীরা একসাথে বসে কাহিনী শোনেন।
- D. আসর বন্দনায় দেবদেবীর আরাধনা করতে হয়।

সঠিক বিকল্পটি নির্বাচন করুন :

- (1) B—C—D—A
- (2) A—C—D—B
- (3) C—D—A—B
- (4) D—A—B—C

128. দ্বিতীয় ভাষার শ্রেণিকক্ষগুলি সাধারণত বিভিন্ন ভাষার সঙ্গমস্থল। সেখানে শিক্ষকদের ভূমিকা হয়ে থাকে তাঁদের শিক্ষার্থীদের

- (1) পাঠ (text)-এর সারসংক্ষেপ (summaries) এবং সরলীকৃত সংস্করণ প্রদানকারীর
- (2) যথেষ্ট পরিমাণে স্ব-ব্যাখ্যাত (self-explanatory) নোটস প্রদানকারীর
- (3) পাঠ্যক্রম সম্পূর্ণ করার সঙ্গে সঙ্গে নানাবিধ কার্যের ওয়ার্কশীট প্রদানকারীর
- (4) কাঙ্ক্ষিত দক্ষতা বিকাশের জন্য একটি স্বচ্ছন্দ পরিবেশ প্রদানকারীর

- 129.** শিক্ষার্থীরা ক্রিয়াপদের বিভিন্ন রূপ (tense forms), সংযোজক (connectors), পূরসর্গ (prepositions) এবং বিশেষণগুলি নির্ভুলভাবে ব্যবহার করতে পারছে কিনা তা দেখার জন্য আপনি একটি টেস্ট আইটেম বা পরীক্ষণ উপাদান তৈরি করলেন। এই পরীক্ষণ উপাদানে আপনার ব্যবহৃত নীতি বা অ্যাপ্রোচটি হলো
- (1) মিশ্র ব্যাকরণ কার্য (mixed grammar task)-এর
  - (2) অখণ্ড বা সংহত (integrated) ব্যাকরণ পরীক্ষণের
  - (3) প্রত্যক্ষ ব্যাকরণ পরীক্ষণ (direct grammar testing)-এর
  - (4) পরোক্ষ (indirect) ব্যাকরণ পরীক্ষণের
- 130.** প্রারম্ভিক বছরগুলিতে শিশুরা দেওয়ালে, মেঝেতে এবং খাতাপত্রে আঁকিবুকি কাটে। ভাষা শিখনের এই পর্যায়টিকে কী বলা হয়?
- (1) লিখন দক্ষতা (Writing skills)
  - (2) গ্রাফিক ডেভেলপমেন্ট বা রৈখিক উন্নয়ন
  - (3) স্ক্রিবলিং (Scribbling)
  - (4) ইমার্জেন্ট লিটারেসি বা উদীয়মান সাক্ষরতা
- 131.** যোগাযোগমূলক ভাষা শিক্ষণ (Communicative language teaching) \_\_\_\_\_-এর আন্তঃনির্ভরতার (inter-dependence) উপর জোর দেয়।
- (1) ভাষা এবং আচরণ (behavior)
  - (2) ভাষা এবং মনস্তত্ত্ব (psychology)
  - (3) ভাষা এবং যোগাযোগ
  - (4) ভাষা এবং কথোপকথন
- 132.** আপনাকে আপনার ক্লাসের শিক্ষার্থীদের শিখন প্রক্রিয়ার ‘অনেককথোবাক রেকর্ড’ (anecdotal record) রাখতে হবে। এর জন্য আপনার \_\_\_\_\_ ব্যবহার করা দরকার।
- (1) ওরাল টেকনিক বা মৌখিক কৌশল
  - (2) অবজারভেশন টেকনিক বা পর্যবেক্ষণ কৌশল
  - (3) অ্যাসাইনমেন্ট টেকনিক বা কার্যভার কৌশল
  - (4) প্রোজেক্ট টেকনিক বা প্রকল্প কৌশল
- 133.** ব্যাকরণ প্রসঙ্গে নিম্নলিখিত কোন্ বিবৃতিটি ঠিক?
- (1) ব্যাকরণ হচ্ছে ভাষার একটি তন্ত্র বা পদ্ধতি (system), যা আমাদের কথন (speaking) এবং লিখন দক্ষতাকে পরিমার্জিত করে
  - (2) বিদেশি ভাষা শিখনের ক্ষেত্রে ব্যাকরণের কোনো ভূমিকা নেই
  - (3) ব্যাকরণ জ্ঞান বাচক সাবলীলতা (fluency in speech) অর্জনে সাহায্য করে
  - (4) ব্যাকরণের নিয়মগুলি অনুসরণ করার আগে ব্যাকরণ প্রদত্ত সূত্র বা নিয়মগুলি মুখস্থ করা উচিত
- 134.** শিশু এবং খুব ছোট বাচ্চারা যখন এমন একটি পরিবেশে বাস করে, যেখানে তাদের কাছে ভাষার উন্মোচন (exposure) ঘটে না অথবা তাদের কোনো ভাষাগত অভিজ্ঞতা হয় না—তখন তাদের ভাষার বিকাশ মারাত্মকভাবে ক্ষতিগ্রস্ত (impaired) হয়। এই ক্ষতি অপরিশোধনীয় (irreversible)। নিম্নের কোন্ পরিভাষাটি এই দৃষ্টিভঙ্গিকে সমর্থন করে?
- (1) সমাজ ভাষাতত্ত্ব (Sociolinguistics)
  - (2) বাগর্থতত্ত্ব (Semantics)
  - (3) নেটিভিজম (Nativism)
  - (4) উন্নয়ন বা বিকাশের স্পর্শকাতর সময়সীমা (Sensitive periods of development)
- 135.** ব্যাকরণ শেখানো উচিত
- (1) শিক্ষার্থীদের নিয়মাবলি মুখস্থ করায় উৎসাহিত করে
  - (2) শিক্ষার্থীদের যথেষ্ট পরিমাণে কার্যভার (assignments) প্রদানের মাধ্যমে
  - (3) প্রসঙ্গভিত্তিক চর্চার (practice in context) সামর্থ্য জুগিয়ে
  - (4) শিক্ষার্থীদের দ্বারা লিখিত কার্যভার (written assignments) সম্পন্ন করানোর মাধ্যমে
- 136.** আপনি আপনার ক্লাসে একটি ভাষা-সমৃদ্ধ পরিবেশ সৃষ্টি করতে চান। এর জন্য আপনার উচিত
- (1) অভিভাবকদের ভাষাভিত্তিক ক্রীড়া (games) এবং কার্যাবলি (activities) ক্রয়ে প্রণোদিত করা
  - (2) শিক্ষার্থীরা ভাষাটিকে দেখতে, লক্ষ্য করতে এবং ব্যবহার করতে পারে—এমন একটি সুযোগ প্রদান করা
  - (3) ক্লাসে আপনার শিক্ষার্থীদের কেবল ইংরেজির মাধ্যমে যোগাযোগ রক্ষায় উৎসাহিত করা
  - (4) আপনার ক্লাসে একটি ল্যান্ডুয়েজ ল্যাব বা ভাষা প্রয়োগশালা প্রতিষ্ঠা করা

- 137.** দ্বিতীয় ভাষা শিখন তত্ত্বের ক্ষেত্রে অর্জন (acquisition), পর্যবেক্ষণ (observation), স্বাভাবিক (natural), ইনপুট বা প্রসঙ্গের (input), আধিপত্যশীল অনুকল্প (dominant hypothesis) পরিভাষাগুলি প্রদান করেছিলেন \_\_\_\_\_।
- (1) চমস্কি (Chomsky) (2) স্টিফেন ক্রাশেন (Stephen Krashen)  
(3) ভাইগটস্কি (Vygotsky) (4) স্টিভেন পিন্কার (Steven Pinker)
- 138.** নিম্নলিখিতগুলির মধ্যে কোনটি শ্রেণিবিভাজন বা গ্রেডিং এবং ক্রমপর্যায় বা সিকোয়েন্স নীতির (principles of grading and sequence) সঙ্গে জড়িত?
- (1) অভ্যাস গঠন (Habit formation)  
(2) প্রাকৃতিক পন্থা অনুসরণ (Following the natural way)  
(3) নিয়ন্ত্রিত শব্দভাণ্ডার (Controlled vocabulary)  
(4) শ্রেণিবিভাজন (Gradation)
- 139.** আপনি দেখলেন যে আপনার ছাত্র-ছাত্রীদের কাছে লক্ষ্য ভাষার (target language) নমুনা উদ্ঘাটিত হবার এবং তাদের সেগুলি অনুকরণ (imitate) ও প্রতিক্রিয়া ব্যক্ত (respond) করার জন্য উৎসাহিত করার প্রয়োজন রয়েছে। উদ্দেশ্যটি সম্পন্ন করার জন্য কোন পদ্ধতিটি সবচেয়ে বেশি উপযুক্ত হবে?
- (1) শ্রাব্য-ভাষিক পদ্ধতি (Audio-lingual method)  
(2) ব্যাকরণ-অনুবাদ পদ্ধতি (Grammar-translation method)  
(3) প্রত্যক্ষ পদ্ধতি (Direct method)  
(4) যোগাযোগমূলক ভাষা শিক্ষণ (Communicative language teaching)
- 140.** শিশুর মধ্যে তার মাতৃভাষার বিকাশ বা উন্নয়নকে সাধারণভাবে শিশুটির কী হিসেবে মনে করা হয়?
- (1) ভাষা আত্মিকরণ (Language assimilation)  
(2) বিমূর্ত ভাষা উন্নয়ন (Abstract language development)  
(3) ভাষা অর্জন (Language acquisition)  
(4) ভাষা শিখন (Language learning)
- 141.** একজন সক্রিয় শ্রোতা (active listener) অবিলম্বে বুঝতে পারে যে
- (1) অপর ব্যক্তি কী বলছে (2) বক্তা কী বলতে চাইছে  
(3) বক্তা যা বলছে তার পিছনে যুক্তি কী (4) বক্তা কী বলার চেষ্টা করছে
- 142.** ক্লাসে কবিতা শেখাতে গিয়ে শিক্ষিকা প্রথমে কবিতাটি পড়লেন, তারপর শিক্ষার্থীদের দলগত কার্যে (group work) নিযুক্ত করলেন। একটি দল কবিতাটির ভাববস্তু (theme) লিখল, অন্য দল কবিতার প্রধান চরিত্রটিকে বর্ণনা করার জন্য একটি চিত্র অঙ্কন করল এবং এর পরেও একটি দল কবিতাটির সারসংক্ষেপ (summary) লিখল। এই কার্যক্রমটির (activity) উদ্দেশ্য হল
- (1) শিক্ষার্থীদের বিচিত্র সামর্থ্য এবং তাদের আগ্রহগুলিকে শ্রেণিবিভক্ত করা  
(2) মূল্যায়নের জন্য শিক্ষার্থীদের প্রস্তুত করা  
(3) শিক্ষার্থীদের বিক্ষিপীকরণ (distracting the learners)  
(4) শুধুমাত্র শ্রেণিকক্ষে সমস্ত শিক্ষার্থীকে জড়িত রাখা

**নির্দেশ :** নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (143 থেকে 150 নং প্রশ্ন) সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন :

মাথা ও চারপাশ খোলা ছটা জিপ একসঙ্গে স্টার্ট নিল। যদিও ঠিক পরপরই ছুটছিল না সেগুলি। স্মার্ট গাইড আর ততোধিক সাদামাটা, ছোটখাটো ক্ষয়া চেহারার চালক। মুহূর্তমধ্যে গাড়ি এমন গতিতে উঁচু-নিচু টিলা পাথর ভেঙে ছুটেতে শুরু করল যে বসে থাকার থেকে সামনের হ্যান্ডেল ধরে দাঁড়িয়ে থাকাই শ্রেয় মনে হচ্ছিল।

দু-একটা মোড় ঘুরতেই বৃষ্টিমাত্র জঙ্গল থেকে স্বাদু বাতাস ও কাঁচা পাতার গন্ধ চারপাশ যেন গিলে নিতে থাকল। ভোরের আলোয় তখন শাল, বাঁশ, আমলা, জাম, বট, মহুয়া, পলাশ, কেন্দু পাতার গাছ বলমল করছে। গাইডের নাম গাড়িতে ওঠার সময়ই জানা গিয়েছিল। সেই তেজস নামে একমাথা ঝাঁকড়া চুল ওড়ানো ছেলেটি জানিয়ে যাচ্ছিল এই জঙ্গলে বাইশ রকম জন্তু আর আড়াইশো ধরনের পাখি আছে। সে বলতেই থাকল, বাঘ দেখতেই এখানে আসা, তবু চিতাবাঘ, শ্লথ, নীলগাই, ছিট হরিণ, বুনো কুকুরও এই অরণ্যের সৌন্দর্য বৃদ্ধি করেছে ইত্যাদি ইত্যাদি।

এই জঙ্গলের সবটাই কাঁচা পথ। কোথাও পাথুরে মাটি কেটে সমান করে বাঁধানো পথ তৈরি হয়নি। সুমা দৃশ্য শব্দ গন্ধ গিলে নিচ্ছিল গোগ্রাসে। চ্যাপটা কালচে চওড়া পাথরের ওপর বয়ে যাওয়া ঝিরঝিরে নদী পেরোল কয়েকটা। কোথাও কোনো আবর্জনা, প্লাস্টিকের ঠোঙা নেই। এমনকী প্রবেশ পথে কেউ জলের বোতল নিয়ে ঢুকলে সেটা রেজিস্টারে লিখতে হয় এবং ফেরার সময় দেখাতে হয়। কিছুই জঙ্গলে ফেলে আসা যাবে না। সুমা যুগপৎ অবাক আর মুগ্ধ হচ্ছিল। কতক্ষণ যে ওদের গাড়ি পাক খেতে খেতে গভীরে ঢুকে যাচ্ছিল খেয়াল থাকছিল না। মাঝে মাঝে সামনে পিছনের গাড়ি কাছে আসছিল, আবার দূরত্ব তৈরি হচ্ছিল। ক্রমশ বাঁপাশে অরণ্য ও ডানদিকে কালো বাদামি পাথরের ঢাল খাদ হয়ে নিচের সবুজ চাদরে মোড়া উপত্যকায় নেমে গেছে। খানিক খানিক এগিয়ে এই গাড়ি দাঁড়িয়ে পড়ছিল। সুমা জিজ্ঞেস করলে তেজস উত্তর দেয়, বাঁদর হল্লা করলেই ওরা বোঝে আশপাশে বাঘ আছে। তবে সে ডাকও খুব জোরালো নয়। অন্য প্রাণীদের প্রতি সতর্কবাণী। ডানদিকের ওই চাতালের ওপর বাঘিনি ও তার দুই সন্তানকে নিয়ে রোদ পোহাতে দেখেছে গতকাল। বাঘিনি ওই পাথরের নিচে শূক্ হওয়া পরিত্যক্ত গুহাগুলোর কোনো একটায় থাকে। বাচ্চা নিয়ে শিকার ধরতে আজ হয়তো দূরে চলে গেছে।

নির্জন বনপথে সশব্দ জিপের চাকা খসখসে শব্দ তুলে লাফাতে লাফাতে চলে। হরিণ এ পথে অজস্র। মালাবার হর্নবিল, হাতের পাতার মতো বড় প্রজাপতির দল মাঝে মাঝেই রঙের তরঙ্গ তুলে এপাশ থেকে ওপাশে চলে যাচ্ছে। গত রাতের বৃষ্টির জমা জল কাদায় মিশে কালচে কমলা রং ছিটকে দিচ্ছে চারধার।

**143.** নীচের কোন্ দুটি ধনাত্মক শব্দের উদাহরণ?

- |                 |                 |          |           |
|-----------------|-----------------|----------|-----------|
| (ক) সাদামাটা    | (খ) ঝিরঝিরে     | (গ) ঝলমল | (ঘ) খসখসে |
| (1) (খ) এবং (ঘ) | (2) (ক) এবং (গ) |          |           |
| (3) (ক) এবং (ঘ) | (4) (খ) এবং (গ) |          |           |

**144.** ‘পরিত্যক্ত’ শব্দটির বিশেষ্য রূপ কোনটি?

- |              |              |              |               |
|--------------|--------------|--------------|---------------|
| (1) পরিতৃপ্ত | (2) পরিতুষ্ট | (3) পরিত্যাগ | (4) পরিত্যক্ত |
|--------------|--------------|--------------|---------------|

**145.** “সুমা দৃশ্য শব্দ গন্ধ গিলে নিচ্ছিল গোগ্রাসে।” বাক্যটিতে কয়টি কর্মকারক রয়েছে?

- |         |         |        |         |
|---------|---------|--------|---------|
| (1) তিন | (2) চার | (3) এক | (4) দুই |
|---------|---------|--------|---------|

**146.** জঙ্গলটিতে বাইশ রকমের জন্তু থাকলেও গাইডটি বাঘ ছাড়াও বিশেষভাবে আরও কয় প্রকার জন্তুর নাম উল্লেখ করেছিল?

- |         |         |         |          |
|---------|---------|---------|----------|
| (1) ছয় | (2) সাত | (3) চার | (4) পাঁচ |
|---------|---------|---------|----------|

**147.** তেজসের চেহারা কেমন ছিল?

- |               |                 |                    |                     |
|---------------|-----------------|--------------------|---------------------|
| (1) খুব শীর্ণ | (2) খুব স্মার্ট | (3) অত্যন্ত সাধারণ | (4) অত্যন্ত ছোটখাটো |
|---------------|-----------------|--------------------|---------------------|

**148.** নিম্নে প্রদত্ত বিবৃতি দুটি পড়ুন :

বিবৃতি (ক) : গাইডটি জানাল যে বৃষ্টিস্নাত জঙ্গল থেকে স্নাদু বাতাস ও কাঁচা পাতার গন্ধ ভেসে আসে।

বিবৃতি (খ) : বাঘ দেখাই এই জঙ্গল ভ্রমণের মূল উদ্দেশ্য হলেও বাইশ রকমের বিভিন্ন জন্তু ও আড়াইশো ধরনের পাখি এই জঙ্গলের সৌন্দর্য বৃদ্ধি করেছে—একথা গাইড জানাল।

প্রদত্ত বিকল্পগুলি থেকে সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন :

- |                                    |                                    |
|------------------------------------|------------------------------------|
| (1) বিবৃতি (ক) এবং (খ) দুটোই ভুল   | (2) বিবৃতি (ক) এবং (খ) দুটোই ঠিক   |
| (3) বিবৃতি (ক) ঠিক; কিন্তু (খ) ভুল | (4) বিবৃতি (ক) ভুল; কিন্তু (খ) ঠিক |

**149.** জঙ্গলে এসে কী দেখে সুমা অবাক হল?

- (1) এখানের লোকেদের পরিবেশের প্রতি অবহেলা ও পরিবেশ সংরক্ষণের কঠোর নিয়ম পালন করতে দেখে।
- (2) এখানের লোকেদের জঙ্গলের যত্ন নেওয়া এবং জঙ্গল সংরক্ষণে নিয়ম পালনের শিথিলতা দেখে।
- (3) এখানের লোকেদের পরিবেশ সচেতনতা ও সংরক্ষণের জন্য কঠোর নিয়ম পালন করতে দেখে।
- (4) এখানের লোকেদের পরিবেশ সচেতনতা ও সংরক্ষণে নিয়ম পালনের শিথিলতা দেখে।

**150.** গাড়ি জঙ্গলের মধ্যে মাঝে মাঝে দাঁড়িয়ে পড়ার কারণ হিসেবে তেজস সুমাকে কী উত্তর দিয়েছিল?

- (1) বাঁদরের হল্লা শুনে গাইড ও গাড়ি চালক বুঝতে পারে বাঘ কাছেই কোথাও রয়েছে।
- (2) বাঁদরের হল্লা শুনে পর্যটকরা বুঝতে পারে বাঘ আশেপাশে নেই বলে তারা নিরাপদ।
- (3) বাঁদরের হল্লা শুনে বাঘ বেরিয়ে আসে গাড়িকে আক্রমণ করার জন্য।
- (4) বাঁদরের হল্লা শুনে বাঘিনি সতর্ক হয়ে যায় তার শিশুগুলিকে রক্ষার জন্য।

**SPACE FOR ROUGH WORK**

★ ★ ★

**নিম্নলিখিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন :**

1. বিভিন্ন ধরনের প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের জন্য যে নির্দেশ পরীক্ষা-পুস্তিকায় দেওয়া রয়েছে, প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের পূর্বে তা মনোযোগ সহকারে পড়ুন।
2. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসাবে OMR উত্তর-পত্রে দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই কালো/নীল বলপয়েন্ট পেন দিয়ে ভরাট করতে হবে। একবার উত্তর চিহ্নিতকরণ হয়ে গেলে তা আর বদলানো যাবে না।
3. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর-পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবে না, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না। পরীক্ষার্থী তাঁর ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনখানেই উল্লেখ করবেন না।
4. পরীক্ষা-পুস্তিকা এবং উত্তর-পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন। কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে না। শুধুমাত্র পরীক্ষা-পুস্তিকা এবং উত্তর-পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে।
5. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিকমতো পরীক্ষা-পুস্তিকা/উত্তর-পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা-পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন।
6. মেশিন কেবলমাত্র উত্তর-পত্রে (OMR) দেওয়া সংকেতই পড়তে পারবে। তাই কোনো তথ্য অসম্পূর্ণ রাখা চলবে না এবং প্রবেশ-পত্রে প্রদত্ত তথ্যের সাথে তার কোনো পার্থক্য থাকবে না।
7. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ-পত্র (Admit Card) ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্যবস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিন উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ ঢুকতে দেওয়া হবে না।
8. মোবাইল, বেতার যোগাযোগ মাধ্যম (এমনকী নিষ্ক্রিয় করে রাখা মোবাইল) এবং অন্যান্য নিষিদ্ধ বৈদ্যুতিন উপকরণ পরীক্ষা হলে আনা চলবে না। এই নির্দেশ পালন না করলে তাকে অন্যায় আচরণ হিসাবে গণ্য করা হবে এবং তাঁর বিরুদ্ধে ব্যবস্থা নেওয়া হবে, এমনকী তাঁর পরীক্ষা বাতিল করাও যেতে পারে।
9. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তাঁর প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন।
10. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্ত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তাঁর আসন ছেড়ে উঠবেন না।
11. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর-পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা-পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষা হল থেকে বেরোবেন না। যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে দ্বিতীয়বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর-পত্র জমা করেননি এবং ব্যাপারটিকে দণ্ডনীয় অপরাধ হিসাবে গণ্য করা হবে।
12. ইলেক্ট্রনিক/হস্তচালিত ক্যালকুলেটরের ব্যবহার নিষিদ্ধ।
13. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য। কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ীই সম্পন্ন হবে।
14. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা-পুস্তিকা ও উত্তর-পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না।
15. পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা হল ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর-পত্রটি অবশ্যই নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন। পরীক্ষা-পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই। পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন।

### निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉलपॉइंट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर-पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।

### READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue/Black Ballpoint Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the Examination Hall/Room. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, before leaving the Hall/Room, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall/Room. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.**